

रांची संसदीय क्षेत्र है झारखंड में भाजपा का सबसे मजबूत गढ़

- झारखंड की राजधानी में उम्मीदवार की नहीं, पार्टी की जीत होती है
- इस बार भी भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधे मुकाबले के हैं आसार
- इंडी अलायंस के लिए बहुत मुश्किल है इस दुर्ग को भेद पाना

झारखंड की राजधानी, यानी रांची लोकसभा सीट पर वैसे तो चुनावी प्रक्रिया 29 अप्रैल को शुरू होगी और बोट 24 मई को पड़ेंगे, लेकिन यहां राजनीतिक गतिविधियां बहुत तेज हो चुकी हैं। भाजपा ने संजय सेठ को लगातार दूसरी बार मैदान में उतार दिया है, तो इंडी अलायंस में अब तक न सीटों का बंटवार हुआ है और न उम्मीदवारों के नाम की घोषणा। वैसे संकेत यही है कि इस बार भी रांची में भाजपा के सामने कांग्रेस का प्रत्याशी ही होगा, जैसा कि पिछले कई चुनावों से होता आया है। रांची



राकेश सिंह

सवाल है, तो यहां पर कांग्रेस और भाजपा के बीच टक्कर होती है। वास्तव में रांची पूरे झारखंड में भाजपा का सबसे मजबूत दुनाह है। यह ऐसी सीट है, जहां से राज्य की सबसे मजबूत क्षेत्रीय पार्टी ज्ञामुमो कपी भी जीत नहीं पायी है। रांची लोकसभा सीट के अंतर्गत छह विधानसभा सीटें (इचागढ़, सिल्ली, खिजरी, रांची, हटिया और कोके) आती हैं। इसमें कांग्रेस की अनुसंचित जनजाति के लिए अनुसंचित जनजाति के लिए अरक्षित है।

रांची की राजनीतिक पृष्ठभूमि
देश ही नहीं, दुनिया भर में खनियों के लिए प्रसिद्ध झारखंड की राजनीति और क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी का गृहनगर रांची राजनीतिक रूप से भी बेहद चर्चित है। झारखंड की सत्ता का केंद्र होने के कारण यहां होनेवाली हर राजनीतिक गतिविधि का असर पूरे राज्य पर पड़ता है और उसकी अनुग्रह देश भर में सुनाइ देती है। रांची एक खुबसूरत पर्वत स्थल भी है और औद्योगिक नगरी भी। राजनीतिक एवं संजय सेठ को लिए ज्यादा दबदबा रहा है, लेकिन पिछले कई चुनावों में भाजपा के कांग्रेस के इस सीट को अपने नाम कर रही है।

रांची का भौगोलिक परिदृश्य
रांची लोकसभा सीट को रांची के अलावा सारायकेला-खारसांवां जिजोंके कुछ हिस्सों को मिला कर बनाया गया है। रांची संयुक्त बिहार के समय से ही राजनीति का मुख्य केंद्र रही है, क्वांकिं कभी रांची एकीकृत बिहार की ग्रीष्मकालीन राजधानी भी रही है। जहां तक रांची लोकसभा सीट का

केंद्रीय क्षेत्र में पड़नेवाले बूथों के काम कर दिया है और भाजपा इस सीट को अपने नाम कर रही है।

1952 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने रांची नॉर्थ इस्ट सीट जीती। कांग्रेस पार्टी के अब्दुल इब्राहिम 32.4 करोड़ सीटों के साथ यहां से जीते थे। 1962 के लोकसभा चुनाव में झारखंड पार्टी के जयपाल सिंह ने रांची वेस्ट सीट जीती थी, जबकि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का सबसे ज्यादा दबदबा रहा है, लेकिन पिछले कई चुनावों में भाजपा के कांग्रेस के इस सीट पर वेस्ट सेठ को लिए ज्यादा दबदबा रहा है।

1962 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने रांची वेस्ट सेठ को लिए ज्यादा दबदबा रहा है।

1962 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने रांची वेस्ट सेठ को लिए ज्यादा दबदबा रहा है।

1962 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने रांची वेस्ट सेठ को लिए ज्यादा दबदबा रहा है।

1962 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने रांची वेस्ट सेठ को लिए ज्यादा दबदबा रहा है।

1962 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने रांची वेस्ट सेठ को लिए ज्यादा दबदबा रहा है।

1962 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने रांची वेस्ट सेठ को लिए ज्यादा दबदबा रहा है।

1962 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने रांची वेस्ट सेठ को लिए ज्यादा दबदबा रहा है।

1962 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने रांची वेस्ट सेठ को लिए ज्यादा दबदबा रहा है।

1962 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने रांची वेस्ट सेठ को लिए ज्यादा दबदबा रहा है।

1962 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने रांची वेस्ट सेठ को लिए ज्यादा दबदबा रहा है।

1962 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने रांची वेस्ट सेठ को लिए ज्यादा दबदबा रहा है।

1962 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने रांची वेस्ट सेठ को लिए ज्यादा दबदबा रहा है।

1962 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने रांची वेस्ट सेठ को लिए ज्यादा दबदबा रहा है।

1962 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने रांची वेस्ट सेठ को लिए ज्यादा दबदबा रहा है।

1962 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने रांची वेस्ट सेठ को लिए ज्यादा दबदबा रहा है।

1962 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने रांची वेस्ट सेठ को लिए ज्यादा दबदबा रहा है।

1962 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने रांची वेस्ट सेठ को लिए ज्यादा दबदबा रहा है।

1962 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने रांची वेस्ट सेठ को लिए ज्यादा दबदबा रहा है।

1962 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने रांची वेस्ट सेठ को लिए ज्यादा दबदबा रहा है।

1962 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने रांची वेस्ट सेठ को लिए ज्यादा दबदबा रहा है।

1962 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने रांची वेस्ट सेठ को लिए ज्यादा दबदबा रहा है।

1962 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने रांची वेस्ट सेठ को लिए ज्यादा दबदबा रहा है।

1962 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने रांची वेस्ट सेठ को लिए ज्यादा दबदबा रहा है।

1962 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने रांची वेस्ट सेठ को लिए ज्यादा दबदबा रहा है।

1962 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने रांची वेस्ट सेठ को लिए ज्यादा दबदबा रहा है।

1962 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने रांची वेस्ट सेठ को लिए ज्यादा दबदबा रहा है।

1962 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने रांची वेस्ट सेठ को लिए ज्यादा दबदबा रहा है।

1962 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने रांची वेस्ट सेठ को लिए ज्यादा दबदबा रहा है।

1962 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने रांची वेस्ट सेठ को लिए ज्यादा दबदबा रहा है।

1962 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने रांची वेस्ट सेठ को लिए ज्यादा दबदबा रहा है।

1962 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने रांची वेस्ट सेठ को लिए ज्यादा दबदबा रहा है।

1962 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने रांची वेस्ट सेठ को लिए ज्यादा दबदबा रहा है।

1962 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने रांची वेस्ट सेठ को लिए ज्यादा दबदबा रहा है।

1962 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने रांची वेस्ट सेठ को लिए ज्यादा दबदबा रहा है।

1962 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने रांची वेस्ट सेठ को लिए ज्यादा दबदबा रहा है।

1962 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने रांची वेस्ट सेठ को लिए ज्यादा दबदबा रहा है।

1962 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने रांची वेस्ट सेठ को लिए ज्यादा दबदबा रहा है।

1962 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने रांची वेस्ट सेठ को लिए ज्यादा दबदबा रहा है।

1962 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने रांची वेस्ट सेठ को लिए ज्यादा दबदबा रहा है।

1962 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने रांची वेस्ट सेठ को लिए ज्यादा दबदबा रहा है।

1962 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने रांची वेस्ट सेठ को लिए ज्यादा दबदबा रहा है।

1962 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने रांची वेस्ट सेठ को लिए ज्यादा दबदबा रहा है।

1962 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने रांची वेस्ट सेठ को लिए ज्यादा दबदबा रहा है।

1962 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने रांची वेस्ट सेठ को लिए ज्यादा दबदबा रहा है।

1962 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने रांची वेस्ट सेठ को लिए ज्यादा दबदबा रहा है।

1962 में भारतीय राष

संपादकीय

आइपीएल की ये लीग बेमिसाल है

चे नई सुपर किंस और रोयल चैलेंजर्स बैंगलुरु के बीच शुक्रवार को हुए मुकाबले के साथ ही आइपीएल के 17वें सीजन की शुरुआत हो गयी। ये महीने चलने वाला यह इंवेंट देश में एक ऐसे मौसम का रूप लेता जा रहा है, जो घर-घर में रुद्ध बदल देता है। लोग देर रात मैच खेल होने के बाद सोते हैं और फिर अगली सुबह समय पर दफ्तर पहुंचने को जड़ोजहांद में जुटे दिखते हैं। हालांकि, इस बार कुछ ऐसी बातें हैं, जो आइपीएल के इस सीजन को खास बनाती हैं आइपीएल के इस सीजन में पहली बार स्मार्ट रोले सिस्टम दिखने वाला है। इसमें टीवी अंपायर के लिए पहले के मुकाबले ज्यादा फोटो विशेषण का मौका होगा। यहां पर एस्ट्रोपायर, स्टर्टिंग और डॉकिंग भी फैसले के पीछे की प्रक्रिया बेहतर होगी से काफी पहले रोहित शर्मा की जगह हार्दिक पंडित को नया कपान घोषित कर दिया था। सीजन शुरू होने के ऐन पहले एमएस धोनी ने भी चेन्नई सुपर किंस की कपानी छोड़ने का एलान कर दिया। वह जिम्मेदारी रितुज गायकवाड के कंधों पर आयी है। जुरात टाइटेंस (शुभमान गिल) और हैदरबाद (पैट कमिंस) की टीमें भी

वैसे अब तक का अनुभव देखा जाये तो बैंड आइपीएल तमाम बाधाओं के बावजूद मजबूत ही होता रहा है। 2020 में महामारी के दौरान भी फैलेंट और वेन्यू बदलने के बावजूद बीसीसीआई ने आइपीएल से कमाई की।

दिनों का कार्यक्रम इसे आइपीएल के द्वितीय साप्ताह के बाबते लेता सीजन बना देता है। लेकिन चुनाव उससे भी अगे खिंचने वाले हैं। साथें और अखिरी दौर का मतदान 1 जून को होगा और रिजर्ट 4 जून को आयेगा। हालांकि इसमें पहले 2019 में भी लोकसभा चुनावों के दौरान पूरा आइपीएल देश में खेला जा चुका है, लेकिन इस बार इस पर ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है कि चुनावी प्रक्रिया का बैंड आइपीएल पर किनारा और कैसा प्रभाव पहले बातों है। इसकी पूरी पिछले हासिल आयी एक पिरेट से भी होती है, जिसके मुताबिक स्टेकहोल्डर्स - बीसीसीआई, फ्रेंचाइजी ऑर्स, स्पॉन्सर्स, ब्रॉडकास्टर्स - पिछले साल के मुकाबले 30-35% ज्यादा चार्ज कर रहे हैं। कारण यह है कि चुनावी तौमान में संभावित कैलेंसन को लेकर उनमें आशंकाएं बढ़ी हुई हैं। वैसे अब तक का अनुभव देखा जाये तो बैंड आइपीएल तमाम बाधाओं के बावजूद मजबूत ही होता रहा है। 2020 में महामारी के दौरान भी कैलेंट और वेन्यू बदलने के बावजूद बीसीसीआई ने आइपीएल से कमाई की। फिर भी मीडिया और दर्शकों की दोहरी प्राथमिकता के बीच अगर आइपीएल अपना आकर्षण बनाये रखता है, तो वह निश्चित रूप से स्पोर्ट्स की दुनिया में उसका कद बढ़ायेगा।

अभिमत आजाद सिपाही

म दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। हमारे प्रधानमंत्री का सपना है कि हम 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनें और आर्थिक प्रगति के साथ-साथ हमारी शिक्षा

समस्या मतभेद की नहीं विचारों की है



नितिन गडकरी

जून 1975 में, जब आपातकाल लगाया गया था, मैं अपनी मैट्रिक्युलेशन (कक्षा 10) की परीक्षा में बैठने वाला था। उन 2 वर्षों में, मेरे परिवार के कई सदस्यों को अंतरिक्ष मुख्य सुरक्षा खरखात्र अधिकार्य (एमआइएसए) के तहत गिरफ्तार किया गया था, तभी मैंने तब कर लिया कि मुझे आपातकाल के खिलाफ काम करना है। संघर्ष के बाद 2 साल एक ऐसे झिलास का दिस्सा है, जिसे हम कभी नहीं भूल सकते।

स्थिति चिंताजनक थी। अखबारों को सैंस्कृतिक प्रश्न का सामना करना पड़ रहा था। इन सबके बीच, एक बहातुर व्यक्ति, रामनाथ गोयनका, आपातकाल के खिलाफ संघर्ष करने के लिए हम सभी के साथ-प्रेरणा बन गये। उस समय मैं महाराष्ट्र में था और लोकसत्ता से जुड़ा था। जिस दिन आपातकाल की धोषणा हुई, उसी दिन उनका संघर्ष शुरू हो गया। इस लड़ाई में उन्हें भारी कीमत चुकानी पड़ी। एक बार मुंबई में नानाजी देशमुख के साथ रहते हुए मुझे रामनाथ जी से मिलने का अवसर मिला। उन्होंने मुझ पर

गहरा प्रभाव छोड़ा। हम सभी के जीवन में एक अवश्यक लड़ाई है नैतिकता और सुविधा के बीच की लड़ाई। चाहे प्रतकारिता हो या राजनीति, हर क्षेत्र में इन दोनों में से किसी एक को चुनावी दोहरी देता है।

महात्मा गांधी से प्रेरणा लेकर रामनाथ ने प्रतकारिता को अपनाया। एक बहुत ही उदाहरणात्मक कहावत है कि हम 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनें और आर्थिक भारत का लक्ष्य हासिल करें। हम उस सपने के लिए एक बहुत ही अध्ययनपूर्ण व्यक्ति हैं। हमारे प्रधानमंत्री का सपना है कि हम 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनें और आर्थिक भारत का लक्ष्य हासिल करें।

महात्मा गांधी से प्रेरणा

लेकर रामनाथ ने प्रतकारिता को अपनाया। एक बहुत ही उदाहरणात्मक कहावत है कि हम 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनें और आर्थिक भारत का लक्ष्य हासिल करें। हम उस सपने के लिए एक बहुत ही अध्ययनपूर्ण व्यक्ति हैं। हमारे प्रधानमंत्री का सपना है कि हम 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनें और आर्थिक भारत का लक्ष्य हासिल करें।

लेकर रामनाथ ने प्रतकारिता को अपनाया। एक बहुत ही उदाहरणात्मक कहावत है कि हम 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनें और आर्थिक भारत का लक्ष्य हासिल करें। हम उस सपने के लिए एक बहुत ही अध्ययनपूर्ण व्यक्ति हैं। हमारे प्रधानमंत्री का सपना है कि हम 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनें और आर्थिक भारत का लक्ष्य हासिल करें।

लेकर रामनाथ ने प्रतकारिता को अपनाया। एक बहुत ही उदाहरणात्मक कहावत है कि हम 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनें और आर्थिक भारत का लक्ष्य हासिल करें। हम उस सपने के लिए एक बहुत ही अध्ययनपूर्ण व्यक्ति हैं। हमारे प्रधानमंत्री का सपना है कि हम 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनें और आर्थिक भारत का लक्ष्य हासिल करें।

लेकर रामनाथ ने प्रतकारिता को अपनाया। एक बहुत ही उदाहरणात्मक कहावत है कि हम 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनें और आर्थिक भारत का लक्ष्य हासिल करें। हम उस सपने के लिए एक बहुत ही अध्ययनपूर्ण व्यक्ति हैं। हमारे प्रधानमंत्री का सपना है कि हम 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनें और आर्थिक भारत का लक्ष्य हासिल करें।

लेकर रामनाथ ने प्रतकारिता को अपनाया। एक बहुत ही उदाहरणात्मक कहावत है कि हम 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनें और आर्थिक भारत का लक्ष्य हासिल करें। हम उस सपने के लिए एक बहुत ही अध्ययनपूर्ण व्यक्ति हैं। हमारे प्रधानमंत्री का सपना है कि हम 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनें और आर्थिक भारत का लक्ष्य हासिल करें।

लेकर रामनाथ ने प्रतकारिता को अपनाया। एक बहुत ही उदाहरणात्मक कहावत है कि हम 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनें और आर्थिक भारत का लक्ष्य हासिल करें। हम उस सपने के लिए एक बहुत ही अध्ययनपूर्ण व्यक्ति हैं। हमारे प्रधानमंत्री का सपना है कि हम 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनें और आर्थिक भारत का लक्ष्य हासिल करें।

लेकर रामनाथ ने प्रतकारिता को अपनाया। एक बहुत ही उदाहरणात्मक कहावत है कि हम 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनें और आर्थिक भारत का लक्ष्य हासिल करें। हम उस सपने के लिए एक बहुत ही अध्ययनपूर्ण व्यक्ति हैं। हमारे प्रधानमंत्री का सपना है कि हम 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनें और आर्थिक भारत का लक्ष्य हासिल करें।

लेकर रामनाथ ने प्रतकारिता को अपनाया। एक बहुत ही उदाहरणात्मक कहावत है कि हम 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनें और आर्थिक भारत का लक्ष्य हासिल करें। हम उस सपने के लिए एक बहुत ही अध्ययनपूर्ण व्यक्ति हैं। हमारे प्रधानमंत्री का सपना है कि हम 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनें और आर्थिक भारत का लक्ष्य हासिल करें।

लेकर रामनाथ ने प्रतकारिता को अपनाया। एक बहुत ही उदाहरणात्मक कहावत है कि हम 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनें और आर्थिक भारत का लक्ष्य हासिल करें। हम उस सपने के लिए एक बहुत ही अध्ययनपूर्ण व्यक्ति हैं। हमारे प्रधानमंत्री का सपना है कि हम 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनें और आर्थिक भारत का लक्ष्य हासिल करें।

लेकर रामनाथ ने प्रतकारिता को अपनाया। एक बहुत ही उदाहरणात्मक कहावत है कि हम 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनें और आर्थिक भारत का लक्ष्य हासिल करें। हम उस सपने के लिए एक बहुत ही अध्ययनपूर्ण व्यक्ति हैं। हमारे प्रधानमंत्री का सपना है कि हम 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनें और आर्थिक भारत का लक्ष्य हासिल करें।

लेकर रामनाथ ने प्रतकारिता को अपनाया। एक बहुत ही उदाहरणात्मक कहावत है कि हम 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनें और आर्थिक भारत का लक्ष्य हासिल करें। हम उस सपने के लिए एक बहुत ही अध्ययनपूर्ण व्यक्ति हैं। हमारे प्रधानमंत्री का सपना है कि हम 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनें और आर्थिक भारत का लक्ष्य हासिल करें।

लेकर रामनाथ ने प्रतकारिता को अपनाया। एक बहुत ही उदाहरणात्मक कहावत है कि हम 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनें और आर्थिक भारत का लक्ष्य हासिल कर

शिमिलिपाल में अफीम की खेती पर छपेमारी 10.50 करोड़ के अफीम के पौधे नष्ट किये गये

आजाद सिपाही संचाददाता

भुवनेश्वर। शुक्रवार को शिमिलिपाल अभयारण्य पर चौपी बार बड़े पैमाने पर छपेमारी हुई। आबकारी विभाग के कर्मचारीयों और कर्जिया अतिरिक्त तहसीलादार की उपस्थिति में अभयारण्य के भीतरी इलाकों में सारख गांव में लगभग 85 आबकारी कर्मचारीयों को शिमिलिपाल के पौधों पर छपेमारी की गयी। छपेमारी के दौरान 15 एकड़ जरीन में करीब 15 लाख अफीम के पौधे लगे थे। कहां फूल खिला और कहां फल मुझा गया। आबकारी विभाग ने सभी पैडों को नष्ट कर दिया और जला दिया। इसकी अनुमति लागत 10 करोड़ 50 लाख होगी, ऐसा आबकारी इस्पेक्टर श्रीधर महांति ने सूचना दी। कहा जाता है कि ओडिशा में यह पहली घटना है, जिसमें इनी बड़ी संख्या में



अफीम के पौधे नष्ट किये गये थे।

अफीम के एक पौधे की कीमत 200 रुपये तय की गयी है। जब आबकारी विभाग ने सारदा गांव पर छपा मारा, तो गांव सुनसान पाया गया। पिछले कुछ वर्षों में शिमिलिपाल अभयारण्य के भीतर योजगढ़ और फूलबाड़ी में ढेंड लाख से अधिक अफीम के पौधे जल करने में सफलता हासिल की है। पुलिस की ओर से जानकारी दी गयी है कि इसकी कीमत 3 करोड़ 10 लाख रुपये होगी। आबकारी विभाग ने अफीम किसानों या उससे जुड़े माफियाओं को नहीं पकड़ पाया है।

इसी महीने की 10 तारीख को शिमिलिपाल अभयारण्य में दूसरी बार 18 करोड़ से ज्यादा कीमत के

नौकरी दिलाने के नाम पर 18 लाख की ठगी, एक गिरफ्तार

आजाद सिपाही संचाददाता

भुवनेश्वर। गोपालपुर पुलिस ने नौकरी दिलाने के बहाने धाराघाड़ी के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर कोर्ट फूर आड़ किया। आरोपी की पहचान ब्रह्मपुर विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त कर्मचारी कर्मचारी गंजदंड नाथ साह के रूप में है। जानकारी के अनुसार ब्रह्मपुर विश्वविद्यालय में कार्यरत अस्थायी कर्मचारी राधा मोहन पात्र के बेटी को सरकारी के पद पर नौकरी दिलाने की बात कहकर 7 नवंबर 2022 से 18 नवंबर 2023 तक गूगल पे से 18 लाख 16 दिनांक 250 रुपये ले लिया है। 30

जागृति महिला मंडल और महिला सभा का महिला दिवस समारोह

आजाद सिपाही संचाददाता

संबलपुर। विश्व महिला दिवस के अवसर पर एमसीएल जागृति विहार स्थित जीर्णीगंगा कलवर में जागृति महिला मंडल और महिला सभा द्वारा महिला दिवस समारोह बड़े धूमधाम से मनाया गया। इस समारोह के अवसर पर विभिन्न प्रतिवेगिताएं पोस्टर में किंग, स्लोगान लेखन, रोली, और कला एवं शिल्प सहित विविध प्रकार की गतिविधियां आयोजित की गयी। समाप्ति समारोह सह विजेताओं को पुरस्कार वितरण समारोह का हिस्सा किया गया। जागृति महिला मंडल के अध्यक्षा सुवर्णा कांओले, उपाध्यक्षा रमेश बेहुरा, अंजलि बापट, डीवी स्कूल की प्रिसिपिल रश्मी मिश्र, इसमें राज्य स्तर के बैंडमिंटन खिलाड़ी लीजुन स्वॉइंग कार्यक्रम की शोभा बढ़ायी।



विभाग में कार्यरत गुलाब स्वॉइंग की सुधूरी हैं, एमसीएल डीवी स्कूल की छात्रा व एमसीएल की बैंटिया को महिला दिवस के सदस्यों के सहयोग से कार्यक्रम संस्थानों के सहयोग से कार्यक्रम संस्थान हुआ।

समाप्ति समारोह का मुख्य आकर्षक था पुरस्कार वितरण समारोह। इसमें राज्य स्तर के बैंडमिंटन खिलाड़ी लीजुन स्वॉइंग (जो कि एमसीएल के सुक्ष्मा

विभाग में कार्यरत गुलाब स्वॉइंग की सुधूरी हैं), एमसीएल डीवी स्कूल की छात्रा व एमसीएल की बैंटिया को महिला दिवस के अवसर पर विश्व महिला सभा द्वारा एक चित्कारक नृत्य प्रदर्शित किया गया। इसी कड़ी में सिलाई केंद्र की लड़कियों द्वारा एक चित्कारक नृत्य प्रदर्शित किया गया, जिसकी दर्शकों ने काफी सराहना की।

झारखंड यादव चेतना मंच का होली मिलन समारोह



आजाद सिपाही संचाददाता

रांची। झारखंड यादव चेतना मंच के द्वारा अंगोच्छापुरी में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अंतिथि के रूप में यज यज्ञ यादव और रामाशीरी यादव उपरिथित हुए सभी एक स्तर से कहा कि रांग-बिरंगे सोंग का त्योहार है। इस पर्व को हम लोगों को मिलजुल कर मानना चाहिए, ताकि समाज में अच्छा संदेश जाये, हम लोगों को हर

समाज के लोगों से मिलजुल कर इस होली का पर्व मानना चाहिए। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अर्जुन यादव, विजय यादव, कृष्ण कुमार, राजेश यादव, लक्षण यादव, अजय कुमार यादव, दिनेश यादव और अरुण यादव उपरिथित हुए सभी लोगों को सफल बनाने अपना योगदान दिया। यह जानकारी झारखंड यादव चेतना मंच रांची के अंगुन यादव ने दी।

सर्विधान से ऊपर नहीं हो सकती शरियत, भारत के मुसलमान इस देश के कानूनों को मानें : योगी

आजाद सिपाही संचाददाता

लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि "शरियत सर्विधान से बड़ी नहीं है। ये देश सर्विधान से चलेंगा। शरियत भारत से बड़ी नहीं हो सकती है। मुस्लिमों को उसी अनुरूप बनाना होगा। प्रदेश की शिक्षण व्यवस्था में एकरूपता लाना हमारी प्राथमिकता है। मुसलमानों की चित्त की सवाल पर सीएम योगी ने कहा कि मुस्लिमों को कौन चिंता नहीं करता। उन्हें मकान मिल रहा है। लेकिन, ये भारत का कानून भी मानना चाहिए। उन्होंने मदरसों के आधुनिकीकरण पर भी जोर दिया। एक निजी टीवी चैनल के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने मदरसों के कार्यक्रम के आधुनिकीकरण के सवाल पर कहा कि शरियत हमारा व्यक्तिगत विषय हो सकता है,

मगर वो सर्विधान से ऊपर नहीं हो सकता। हम मदरसों का आधुनिकीकरण कर रहे हैं। हमे वैज्ञानिक, इंजीनियर और कुशल मानव संसाधन कार्यालयों पर चुनाव लड़ने के फैसले को फिलहाल स्वीकृत कर दिया है। पार्टी की नेता पल्लवी पटेल कल बसपा सुप्रियोग मायावती से मुलाकात करेंगी।

इसके पहले, कृष्ण पटेल ने इंडिया गढ़वाल के तहत अपने स्तर से ही तीन सीटों पर चुनाव लड़ने के फैसले को फिलहाल स्वीकृत कर दिया है।

पार्टी की राजीव यादव अंध्यकारी की ओर से योगदान दिया है। पार्टी की तरफ से जारी किये गये व्यापार में सीटों की सूची को अग्रिम सुचना तक निरस्त करने की बात कही गयी है।

पार्टी की राजीव यादव ने यह जानकारी दिलाने के लिए गहरा अप्रत्यक्ष संदर्भ में जारी किया।

जारी किये गये व्यापार में सीटों की सूची को अग्रिम सुचना तक निरस्त करने की बात कही गयी है।

पार्टी की राजीव यादव ने यह जानकारी दिलाने के लिए गहरा अप्रत्यक्ष संदर्भ में जारी किया।

जारी किये गये व्यापार में सीटों की सूची को अग्रिम सुचना तक निरस्त करने की बात कही गयी है।

पार्टी की राजीव यादव ने यह जानकारी दिलाने के लिए गहरा अप्रत्यक्ष संदर्भ में जारी किया।

जारी किये गये व्यापार में सीटों की सूची को अग्रिम सुचना तक निरस्त करने की बात कही गयी है।

पार्टी की राजीव यादव ने यह जानकारी दिलाने के लिए गहरा अप्रत्यक्ष संदर्भ में जारी किया।

जारी किये गये व्यापार में सीटों की सूची को अग्रिम सुचना तक निरस्त करने की बात कही गयी है।

पार्टी की राजीव यादव ने यह जानकारी दिलाने के लिए गहरा अप्रत्यक्ष संदर्भ में जारी किया।

जारी किये गये व्यापार में सीटों की सूची को अग्रिम सुचना तक निरस्त करने की बात कही गयी है।

पार्टी की राजीव यादव ने यह जानकारी दिलाने के लिए गहरा अप्रत्यक्ष संदर्भ में जारी किया।

जारी किये गये व्यापार में सीटों की सूची को अग्रिम सुचना तक निरस्त करने की बात कही गयी है।

पार्टी की राजीव यादव ने यह जानकारी दिलाने के लिए गहरा अप्रत्यक्ष संदर्भ में जारी किया।

जारी किये गये व्यापार में सीटों की सूची को अग्रिम सुचना तक निरस्त करने की बात कही गयी है।

पार्टी की राजीव यादव ने यह जानकारी दिलाने के लिए गहरा अप्रत्यक्ष संदर्भ में जारी किया।

जारी किये गये व्यापार में सीटों की सूची को अग्रिम सुचना तक निरस्त करने की बात कही गयी है।

पार्टी की राजीव यादव ने यह जानकारी दिलाने के लिए गहरा अप्रत्यक्ष संदर्भ में जारी किया।

जारी किये गये व्यापार में सीटों की सूची को अग्रिम सुचना तक निरस्त करने की बात कही गयी है।

पार्टी की राज